उत्तराखंड ने 89,000 करोड़ रुपए का बजट पेश किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने **विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25** के लिये अपना **बजट** पेश किया।

- **वर्ष 2022-23** में उत्तराखंड की **आर्थिक विकास दर** राष्ट्रीय औसत को पार करते हुए **7.63% रही।**

मुख्य बिंदु:

- गरीबी **को दूर करने,** आपदा प्रबंधन**, बुनियादी ढाँचे के विकास** और हवाई कनेक्टिविटी में सुधार पर ज़ोर देने वाली कई पहलों के लिये 89,000 करोड़ रुपए का आवंटन।
- बजट में **विकसित भारत के "चार स्तंभों"** के प्रति समर्पण पर ज़ोर दिया गया- गरीबों का कल्याण, युवा सशक्तीकरण, कृषि पहल और **महिला सशक्तीकरण।**
- प्रत्येक स्तंभ के लिये किये गए प्रावधान हैं:
  - **गरीबों के कल्याण** के लिये **5,658 करोड़ रुपए** रखे गए हैं, जिसमें आवास पहल, खाद्यान्न वितरण और मुफ्त गैस रिफिल योजनाएँ शामिल हैं।
  - बजट में **युवा कल्याण, तकनीकी एवं उच्च शिक्षा और** राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिये 1,679 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।
    - **अल्पसंख्यक लड़कियों की योग्यता को बढ़ावा देने** और **रोज़गार के अवसरों** को बढ़ावा देने वाली योजनाओं के लिये भी प्रावधान किये गए हैं।
  - सहकारी पहल, सेब की खेती, किसान पेंशन और **मत्स्यन विकास** सहित विभिन्न **किसान-केंद्रित योजनाओं** के लिये **2,415 करोड़ रुपए** आवंटित किये गए हैं।
  - **लिंग-विशिष्ट पहलों के लिये बजट में लगभग 14,538 करोड़** रुपए अलग रखे गए हैं।
    - इन योजनाओं का उद्देश्य **मातृ एवं शिशु कल्याण** और **महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ाना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-unveils-rs-89,000-crore-budget